VAN VIHAR NATIONAL PARK-ZOO

NEWS LETTER- VOL.4

VAN VIHAR NEWSLETTER

JULY-AUGUST-SEPTEMBER-2023

संचालक डेस्क

वन विहार नेशनल पार्क एवं चिड़ियाघर, भोपाल द्वारा इस न्यूज लेटर के चतुर्थ अंक के माध्यम से माह जुलाई, अगस्त व सितम्बर 2023 के बीच वन विहार में हुई मुख्य गतिविधियों के बारे में एक नजरिया में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह सम्पूर्ण अंक सरीसृपों के संरक्षण के लिए समर्पित है जिसमें वन विहार में पाए जाने वाले सरीसृप एवं उनके सम्बन्धित विभिन्न जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

वन विहार द्वारा इन तीन माह में नेचर कैम्प, अनुभूति एवं अन्य गतिविधि जैसे - अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस, अंतर्राष्ट्रीय लॉयन दिवस, अंतर्राष्ट्रीय हाथी दिवस व अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध दिवस का आयोजन किया गया। हमें हर्ष है कि इस न्यूज लेटर के माध्यम से वन विहार की क्रियाकलापों के साथ-साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण हेतु वन विहार द्वारा की जाने वाली विभिन्न गितिविधियों से आपका परिचय कराया जा रहा है।

(श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन)
(आई.एफ.एस.)
संचालक
वन विहार नेशनल पार्क एवं चिड़ियाघर

वन्यप्राणी अंगीकृत करें

वन विहार के वन्यप्राणियों को किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा, मासिक, त्रैमासिक, छ:माही या वर्ष भर के लिए गोद लिया जा सकता है। वन्यप्राणी अंगीकरण योजना के अंतर्गत व्यय की गई राशि 80G के अंतर्गत नियमानुसार आयकर से मुक्त होगी। निम्न वन्यप्राणियों को उनके समक्ष दर्शित राशि, Executive Director M.P. Tiger Foundation Society, Van Vihar National Park, Bhopal के नाम पर चैक जारी कर गोद लिया जा सकता है:-

प्रजाति	वार्षिक राशि रू	अर्द्धवार्षिक राशि रू	त्रैमासिक राशि रू	मासिक राशि रू
बाघ	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
सिंह	2,00,000	1,00,000	50,000	17,000
तेन्दुआ	1,00,000	50,000	25,000	9,000
भालू	1,00,000	50,000	25,000	9,000
लकड़बग्गा	36,000	19,000	10,000	4,000
जैकाल	30,000	16,000	9,000	3,500
मगर	36,000	19,000	10,000	4,000
घड़ियाल	50,000	26,000	14,000	5,000
अजगर	8,000	4,500	2,300	800

Address :
Director, Van Vihar National Park
and Zoo,Bhadbhada Road,
Bhopal – 462003
Phone : 0755 - 2674278
Email : fdvanvnp.bpl@mp.gov.in

Van Vihar is open to tourist on all days of the week except Friday.

@VanViharNationalParkOfficialPage
@vanviharnationalpark.bhopal
@van_vihar
www.vanviharnationalpark.org

Visit our website for park timings and gate charges.

वन विहार के सर्प

परिचय

- सर्प पृथ्वी पर सबसे ज्यादा डरने वाला प्राणी है। ये बेलनाकार, लंबे, अंगहीन, ठंडे खून वाले सरीसृप हैं। अपनी खाने की आदत और कृंतकों पर नियंत्रण के कारण डरावने होने के बावजूद उनकी व्यापक रूप से पूजा, सराहना और सम्मान किया जाता है।
- भारत में सर्पो की 300 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं तथा म.प्र. में 40 प्रजातियाँ हैं। इनमें से ज्यादातर विषहीन होते हैं, इनके काटने से लोगों को कोई नुकसान नहीं होता है। भारत में पाई जाने वाली सभी प्रजातियों में से 13 प्रजातियाँ विषैली हैं। म.प्र. में पाए जाने वाले सर्पो में चार मुख्य विषैली प्रजातियाँ पायी जाती हैं।
- इन 13 प्रजातियों में से चार प्रजातियाँ कॉमन कोबरा (नाज़ा नाज़ा), कॉमन करैत (बंगारस कैर्यूलीज़), रसेल वाइपर (डाबियोला रसेली) और सॉ स्केल्ड वाइपर (इकिस कैरिनैटस) अत्यधिक विषैले साँप हैं। भारत में अधिकांश विषैले दंशों का कारण इन्हें ही माना जाता है।
- विषैले सर्प उपवर्ग सर्पो की प्रजातियां हैं जो विष पैदा करने में सक्षम हैं, जिसे खोखले या नालीदार नुकीले दांतों का उपयोग करके अपने शिकार को शरीर में प्रवेश कराते हैं।

कॉमन कोबरा, नाग

- वैज्ञानिक नाम : नाज़ा नाज़ा
- आम कोबरा भूरे या काले रंग के होते हैं
- सिर शल्कों (स्केल) से ढका हुआ है। तीसरी सुप्रा-लैबियल स्केल आँख और नाक को छूती है
- पुतलियाँ गोल होती हैं
- हुड मौजूद है. हुड के पृष्ठीय पहलू पर मोनोसेलेट (मोनोसेले) या बिनोसेलेट (चश्मा) का निशान हो सकता है। हुड की अधर सतह पर दो काले धब्बे हैं
- नुकीले दाँत छोटे, खाँचेदार और आगे की ओर स्थित होते हैं
- पूँछ बेलनाकार होती है।
- विष – न्यूरोटॉक्सिक

रसेल वाइपर

- वैज्ञानिक नाम: डाबोइया रुसेली
- सिर बड़ा, चपटा और छोटे शल्कों वाला त्रिकोणीय होता है। सिर पर सफेद वी आकार का निशान मौजूद है
- शरीर भूरे या पीले रंग के साथ मोटा और मोटा होता है
- पीठ पर जंजीरदार काले धब्बों की तीन पंक्तियाँ मौजूद हैं
- पूँछ संकरी और छोटी होती है।
- परेशान होने पर तेज़ और फुसफुसाहट जैसी आवाज़ निकालता है
- विष – हेमोटॉक्सिक

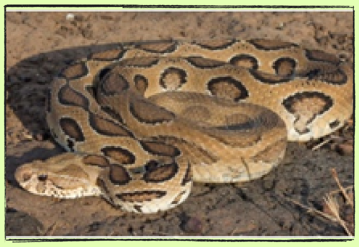

धामन घोड़ा पछाड़

- वैज्ञानिक नाम: पीटियस म्यूकोसा
- यह सांप लगभग किसी भी वातावरण में रह सकता है, हालांकि वे शहरी इलाकों को पसंद करते हैं, जहां उनका सबसे वांछित शिकार "चूहा" आसानी से उपलब्ध होता है।
- धामन सांप भारत में पाए जाने वाले सबसे लंबे और तेज़ गति वाले सांपों में से एक हैं।
- आकार विवरण - औसत लंबाई- 210 सेमी, अधिकतम लंबाई- 350 सेमी (11 फीट और 6 इंच)
- विष – विषहीन

रेड सैंड बोआ, इंडियन सैंड बोआ

- वैज्ञानिक नाम: एरिक्स जॉनी
- यह मुख्य रूप से लाल-भूरे रंग का सर्प है जो औसतन 75 सेमी की लंबाई तक बढ़ता है। अधिकांश सांपों के विपरीत, पूंछ लगभग शरीर जितनी मोटी होती है और सरीसृप को "दो सिरों" का आभास देती है। रात्रिचर और अपना अधिकांश समय जमीन के नीचे बिताता है। इसकी फावड़े के आकार की नाक और कुंद पूंछ के कारण इसे आसानी से पहचाना जा सकता है जो कटी हुई प्रतीत होती है।
- विष – विषहीन

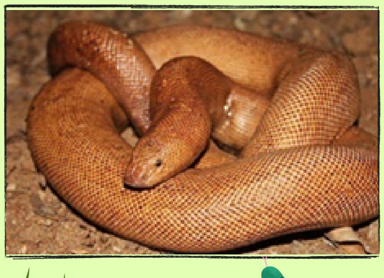

कॉमन सैंड बोआ

- वैज्ञानिक नाम: एरिक्स कोनिकस
- बोआ प्रजाति से संबंधित, सैंड बोआ को इसकी पूंछ और सिर की समानता के कारण हिंदी में 'दो-मुहा' सांप कहा जाता है। वे ज्यादातर कृषि भूमि, बगीचे, चूहों के बिल, ईंट के ढेर और चट्टान के ढेर में पाए जाते हैं। उनके आहार मेंछोटे स्तनधारी, पक्षी और कीट (कीड़े) शामिल हैं।
- आकार विवरण: औसत लंबाई-50 सेमी.,
- विष – विषहीन

इंडियन रॉक पायथन, अजगर

- वैज्ञानिक नाम: पायथॉन मोलुरस
- इंडियन रॉक पायथन घास के मैदानों, दलदलों के साथ-साथ चट्टानी स्थानों पर भी पाया जा सकता है। इनका प्राकृतिक आवास पूर्वी हिमालय से लेकर सुंदरबन के मैंग्रोव वनों तक है। वे उत्कृष्ट तैराक हैं और पानी उनका दूसरा घर है।
- भारतीय अजगर अपने शिकार को निगलने के लिए भी जाना जाता है, जिसमें गर्म रक्त वाले स्तनधारी, पक्षी और सरीसृप शामिल हैं।
- आकार विवरण: नवजात- 40-45 सेमी., औसत लंबाई- 210-360 सेमी (7 फीट-12), अधिकतम लंबाई- 750 सेमी (25 फीट)।
- विष – विषहीन

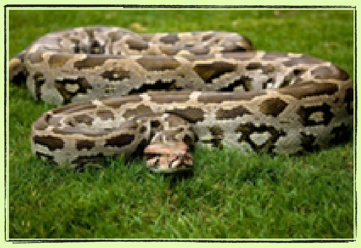

चेकर्ड कीलबैक, पानी वाला सर्प

- वैज्ञानिक नाम; फाउलिया पिस्केटर
- मीठे पानी की झीलों या नदियों के पास पाया जाने वाला चेकर्ड कीलबैक 3000 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है। उनकी सतह भूरे, हरे या पीले जमीनी रंग पर काले धब्बों वाली होती है। यदि सर्प को खतरा महसूस होता है तो वे अत्यधिक आक्रामक हो जाते हैं।
- चेकर्ड कीलबैक मछलियों, मेंढकों, टोडों और अस्वीकृत मांस के टुकड़ों को खाता है।
- आकार विवरण: औसत लंबाई- 90 सेमी., अधिकतम लंबाई- 175 सेमी.
- विष – विषहीन

सामान्य ट्रिंकेट सर्प

- आम तौर पर कॉमन ट्रिंकेट खतरा उत्पन्न होने पर काफी आक्रामक होता है। वे नियमित रूप से छिपकलियों और छोटे स्तनधारियों को खाते हैं। मध्यम आकार का यह सर्प नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका में भी पाया जा सकता है।
- आकार विवरण: नवजात- 25 सेमी., औसत लंबाई- 70 सेमी., अधिकतम लंबाई- 150 सेमी.,
- विष – विषहीन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में विशेष अनुभूति शिविर का आयोजन

- मध्यप्रदेश शासन वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में दो विशेष अनुभूति कार्यक्रम क्रमशः दिनांक 06.07.2023 तथा 20.07.2023 को आयोजित किए गए जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नवीन कन्या, तुलसीनगर भोपाल एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नवीन अरेरा कालोनी, भोपाल, विभिन्न विद्यालयों एवं अशासकीय संस्थाओं से शिक्षक तथा 114 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। विशेष अनुभूति शिविर में माननीय मंत्री वन, डॉ. कुँवर विजय शाह जी भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ. समीता राजोरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ईको पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल, श्रीमती पदमाप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्र/छात्राओं को मंत्री जी ने पेड़ हमारे पर्यावरण के लिए कितने आवश्यक है यह समझाया एवं पेड़ बिना किसी स्वार्थ के दूसरे के जीवन के लिए काम आते हैं यह सीख अपने जीवन में अपनाने के लिए भी कहा एवं शुभ अवसरों पर फूल, बुके एवं कार्ड आदि की जगह एक पौधा लगाने एवं भेंट देने की सलाह दी।

- विशेष अनुभूति शिविर में विशेष रूप से अपर मुख्य सचिव, वन श्री जे.एन.कंसोटिया, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. समीता राजोरा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सूचना प्रौद्योगिकी श्री बी.एस. अन्निगेरी, श्रीमती पदमाप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों द्वारा शिविर में सम्मिलित बच्चों को शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र/छात्राओं ने पर्यावरण एवं वन्यप्राणियों के सम्बंध में अतिथियों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया एवं अतिथियों द्वारा भी बच्चों से प्रश्न पूछे गये, विद्यार्थियों द्वारा दिये गये उत्तरों से अधिकारीगण अभिभूत हुये। साथ ही उनके द्वारा सलकटा कछुआ बाड़े का अनावरण किया गया।
- विशेष अनुभूति शिविर में स्रोत व्यक्ति के रूप में श्री ए.के.खरे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक एवं डॉ. एस.आर. वाघमारे, सेवा निवृत उप वन संरक्षक उपस्थित रहे। साथ ही पक्षीविद के रूप में मो. खालिक उपस्थित रहे।
- शिविर में सम्मिलित हुये प्रत्येक बच्चे को अनुभूति बैग, केप, पठनीय सामग्री प्रदान की गई। साथ ही विद्यार्थियों को पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्यप्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियाँ कराई गई एवं विद्यार्थियों हेतु आयोजित की गई स्पॉट क्विज तथा वन्यप्राणी रेस्क्यू के बारे में बताया गया।

नेचर कैम्प

- वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू, भोपाल में छात्र-छात्राओं में वन, वन्यप्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से भोपाल शहर एवं उसके आस-पास के ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये दिनांक 04.07.2023, 11.07.2023, 18.07.2023, 01.08.2023, 08.08.2023, 22.08.2023, 05.09.2023, 12.09.2023 व 19.09.2023 को नेचर कैम्प का आयोजन किया किया। नेचर कैम्प में लगभग 380 शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। नेचर कैम्प के दौरान छात्र-छात्राओं को पक्षी दर्शन, वन्यप्राणी दर्शन, प्रकृति पथ भ्रमण, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्यप्राणी व पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियाँ कराई गई एवं जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रजातियों का अवलोकन किया जिसमें प्रमुख है इग्रेट, मेग पाई राबिन, ब्रोंज विंग जकाना, किंगफिशर, ग्रीन बी ईटर, टिटहरी, पोंड हेरोन, रेड मुनिया, विहिस्लिंग टील्सकार्मोरेंट, मूरहैन, ड्रोंगो, सिल्वर बिल मुनिया आदि। तितलियों में ग्रे पेनसी, कॉमन ईवनिंग ब्राउन, प्लेन टाईगर, कॉमन ग्रास यलो, ब्लू टाईगर, क्रीमसन रोज आदि को देखकर प्रतिभागी उत्साहित हो उठे। इसके अतिरिक्त बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर, नीलगाय आदि वन्यप्राणियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान संचालक वन विहार श्रीमती पदमप्रिया बालाकृष्णन एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कैम्प का संचालन सहायक संचालक वन विहार श्री सुनील कुमार सिन्हा द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

- वन्य जीवन के प्रति रूचि तथा अपनत्व की भावना विकसित करने के साथ-साथ वन्यप्राणियों के संरक्षण तथा संर्वधन में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर दिनांक 27 जुलाई 2023 को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में स्थित विहार वीथिका में शासकीय / अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता में 495 एवं भाषण प्रतियोगिता में 75 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
- भाषण प्रतियोगिता में रिसॉस पर्सन के रूप में श्री ए. के. खरे (से.नि.), उप वन संरक्षक, डॉ. एस.आर. बाघमारे, (से.नि.) उप वन संरक्षक, श्री पंकज सिंह (से.नि.), उप वन संरक्षक, श्री विजय श्रीवास्तव (से.नि.), उप वन संरक्षक, श्री प्रदीप त्रिपाठी (से.नि.), सहायक वन संरक्षक भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में श्री नवीन कुमार चित्रकार, श्रीमती संतोष खरे, श्री हेमंत वायंगणकर (से.नि.). महाप्रबंधक ग्राफिक्स उपस्थित रहे।
- भाषण प्रतियोगिता के अंत में रिसॉस पर्सन के रूप में श्री सुहास कुमार (से.नि.), प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया। तत्पश्चात उनके द्वारा पर्यावरण एवं बाघ के ऊपर प्रश्नों के उत्तर दिए। छात्रों में सामान्य रूचि के अतिरिक्त तकनीकी प्रश्न जैसे कॉरीडोर, टाईगर, ब्रीडिंग एवं उनके व्यवहार के ऊपर भी प्रश्न पूछे।
- चित्रकला प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को बाघ दिवस के अवसर पर दिनांक 29.07:2023 को पुरुस्कृत किया गया।
- कार्यक्रय का सम्पूर्ण संचालन श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णन, संचालक, वन विहार के साथ-साथ अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विहार ऑन द स्पॉट क्विज

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 30 जुलाई 2023 को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में भ्रमण करने आए पर्यटकों के लिए स्नेक पार्क पर 'On the spot' क्विज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 11 समूहों में लगभग 125 पर्यटकों ने भाग लिया। इस आयोजन में पर्यटकों से बाघ से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए, जिन प्रतिभागियों ने सबसे ज्यादा सही उत्तर दिए उन्हें पुरस्कार दिया गया। इस क्विज द्वारा प्रतिभागियों में बाघ के विषय में जानकारी देकर पर्यटकों को जागरूक किया।

वन विहार में दौरा

IFS (14.08.2023)

मिड कैरियर ट्रेनिंग में विभिन्न प्रदेशों से आए 35 भा.व.से. के अधिकारियों वन विहार का भ्रमण किया तथा यहाँ चल रही गतिविधियों की जानकारी दी।

IFS (28.08.2023)

प्रोफेशनल स्किल अपग्रेडेशन कार्स जो कि आई.आई.एफ.एम. में आयोजित था। विभिन्न प्रदेशों से आए 46 प्रतिभागियों ने वन विहार का भ्रमण कर क्षेत्र में की जाने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अंर्तराष्ट्रीय लॉयन दिवस

अंर्तराष्ट्रीय लॉयन दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 10 अगस्त 2023 को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में भ्रमण करने आए पर्यटकों के लिए लॉयन बाड़ा पर 'On the spot' क्विज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 4 समूहों में लगभग 50 पर्यटकों ने भाग लिया। इस आयोजन में पर्यटकों से लॉयन से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए, जिन प्रतिभागियों ने सबसे ज्यादा सही उत्तर दिए उन्हें पुरस्कार दिया गया। इस क्विज द्वारा प्रतिभागियों में लॉयन के विषय में जानकारी देकर पर्यटकों को जागरूक भी किया।

अंर्तराष्ट्रीय हाथी दिवस

अंर्तराष्ट्रीय हाथी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 12 अगस्त 2023 को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में भ्रमण करने आए पर्यटकों के लिए स्नेक पार्क पर 'On the spot' क्विज का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 5 समूहों में लगभग 150 पर्यटकों ने भाग लिया। इस आयोजन में पर्यटकों से हाथी से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गए, जिन प्रतिभागियों ने सबसे ज्यादा सही उत्तर दिए उन्हें पुरस्कार दिया गया। इस क्विज द्वारा प्रतिभागियों में हाथी के विषय में जानकारी देकर पर्यटकों को जागरूक भी किया। इस समस्त कार्यक्रम का संचालन श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार, श्री विजय बाबू नंदवंशी, बायोलॉजिस्ट, वन विहार एवं श्री संकल्प किशनानी जी द्वारा किया गया।

अंर्तराष्ट्रीय गिद्ध दिवस

अंर्तराष्ट्रीय गिद्ध दिवस दिनांक 02.09.2023 के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में गिद्ध संरक्षण एवं संर्वधन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भोपाल शहर के आस-पास संचालित समस्त अशासकीय स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा एवं मनरेगा (मुख्यमंत्री गौसेवा योजना) अंतर्गत संचालित गौशालाओं के संचालक/प्रबंधक सम्मिलित हुए। कार्यशाला में गौ संचालकों को गिद्ध संरक्षण एवं संर्वधन विषय पर जानकारी के साथ-साथ गायों के उपचार में डायक्लोफेनिक दवा का उपयोग न करने एवं अन्य विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई। कार्यशाला के उद्देश्यों पर श्रीमती पद्मप्रिया बालाकृष्णनन्, संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू, भोपाल द्वारा प्रकाश डाला। गिद्धों की रहवास की पहचान की जानकारी श्री दिलशेर खान तथा गिद्ध संरक्षण के महत्व पर डॉ. संगीता राजगीर द्वारा अपने विचार प्रकट किए। गिद्धों की पहचान के सम्बन्ध में मो. खालिक द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई गई। डॉ. रामटेके, उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएँ, भोपाल द्वारा दुधारू पशुओं के उपचार में डायक्लोफेनिक दवा का उपयोग न करने तथा उसके स्थान पर मैलेक्जिकेम दवा उपयोग करने की सलाह दी गई। डायक्लोफेनिक दवा का उपयोग दुधारू पशुओं के लिए भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। कार्यशाला के अंत में समस्त प्रतिभागियों को जागरूक करने के उद्देश्य से वल्चर आधारित साँप सीढ़ी खेल का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंत में सहायक संचालक, वन विहार द्वारा आभार व्यक्त किया।

अंर्तराष्ट्रीय गिद्ध दिवस माह सितम्बर के प्रथम शनिवार को मनाया जाता है। इस वर्ष माह सितम्बर पहला शनिवार दो सितम्बर को होने से वन विहार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें पर्यटकों में गिद्धों के संरक्षण के प्रति लगाव उत्पन्न करने हेतु जन जागरूकता अभियान के तहत "On the spot" एवं वल्चर आधारित साँप सीढ़ी खेल का आयोजन किया गया जिसमें पर्यटकों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं प्रबंधन द्वारा विजेताओं को पुरूस्कार स्परूप उपहार दिया गया।

वन विहार में प्र.मु.व.सं. एवं अ. प्र.मु.व.सं. महोदय का दौरा

वन विहार में दिनांक 18.08.2023 को उत्तर प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख), मुख्य सचिव (वन विभाग), अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक महोदय को वन विहार का भ्रमण कराया, वन विहार के बारे में एवं वन विहार के वन्यप्राणियों के बारे में आवश्यक जानकारी दी।

प्रशासन अकादमी द्वारा 40 देशों से आए हुए पर्यटकों का वन विहार भ्रमण

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में दिनांक 12.09.2023 को प्रशासन अकादमी द्वारा 40 देश से आए हुए पर्यटकों को वन विहार का भ्रमण कराया एवं श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णनन्, संचालक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल ने विहार वीथिका में प्रेजेन्टेशन के माध्यम से वन विहार एवं वन विहार में पाए जाने वाले वन्यप्राणियों के बारे में जानकारी दी। इसी बीच विदेशी पर्यटकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संचालक, वन विहार द्वारा दिए गए।

वन विहार के क्षेत्रीय कर्मचारियों के लिए ग्रासलैंड कार्यशाला

दिनांक 17.09.2023 को वन विहार में डॉ. जी.डी. मूरतकर के साथ स्थायी ग्रासलैंण्ड प्रबंधन पर एक कार्यशाला क्षेत्रीय कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई। इस कार्यशाला में श्रीमती पद्माप्रिया बालाकृष्णनन, संचालक, वन विहार, श्री सुनील कुमार सिन्हा, सहायक संचालक, वन विहार, समस्त इकाई प्रभारी एवं फॉरेस्ट गार्ड शामिल हुए। डॉ. मूरतकर द्वारा इस कार्यशाला के माध्यम से घास हमारे जीवन के लिए कितनी बहुमूल्य है के बारे में जानकारी देकर कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी एवं फॉरेस्ट गार्ड को अवगत कराया एवं वन विहार के क्षेत्र में अधिकारियों / फारेस्ट गार्ड से साथ जाकर वन विहार की घास का निरीक्षण भी किया एवं हमारी बहुमूल्य घास की भूमि को संरक्षित और पोषण के लिए अमूल्य कौशल की जानकारी दी।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में त्रैमासिक में पर्यटकों का आगमन

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में माहवार भ्रमण के लिए आए पर्यटकों की जानकारी:-	
माह	**पर्यटक संख्या**
जुलाई 2023	88336
अगस्त 2023	88912
सितम्बर 2023	58917

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान-जू के - जू-कीपर

जू-कीपर : नाम – रूप कुमार मेहर, पद - वनरक्षक

श्री रूप कुमार मेहर, वनरक्षक, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में वर्ष-2008 से कार्यरत हैं। इनकी शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण, ए.जी. साईन्स है।

दिनांक 25.03.2009 से 26.03.2009 तक केन्द्रीय पुलिस आर्म्स वर्कशॉप 7वीं वाहिनी वि.स. बल, भोपाल (म.प्र.) में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिनांक 01.04.2022 से 30.09.2022 तक वन विद्यालय, बैतूल में ट्रेनिंग प्राप्त की।

दिनांक 24.11.2014 से 30.11.2014 तक कानपुर प्राणी उद्यान, कानपुर (उ.प्र.) में जू-कीपर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिनांक 18 व 19 दिसम्बर 2018 को वन विहार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सर्प रेस्क्यू प्रशिक्षण प्राप्त।

दिनांक 23 व 24.11.20 को आयोजित मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान वाल्मी भोपाल मध्य प्रदेश इको पर्यटन अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिनांक 15.03.2021 से 17.03.2021 तक इंदिरा गांधी जूलॉजिकल पार्क, विशाखापट्टनम में सेंट्रल जू अथॉरिटी, न्यू दिल्ली से नेशनल जू-कीपर का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्तमान में कार्य का विवरण -

- स्नेक पार्क में रेस्क्यू कर लाए गए सर्पो एवं प्राकृतिक आवास में छोड़े गए सर्पो का रिकॉर्ड मेनटेंन करना एवं सर्पो को दिए जाने वाले भोजन का रजिस्टर मेंनटेंन करना।
- सुबह आकर सबसे पहले सर्पो के स्वस्थ्य का निरिक्षण करना ।
- बाड़े, हॉल, कांच की साफ-सफाई का निरिक्षण और वाटर होल को हफ्ते में 2 दिन सुखा उसमें चुने की पुताई करवाना।
- भोपाल शहर से रेस्क्यू कर वन विहार लाये गए सर्पों का प्रथम दृष्टया निरिक्षण कर तय करना की वह कहीं घायल तो नहीं। घायल पाया जाने पर वरिष्ठ अधिकारी एवं वन्यप्राणी चिकित्सक को सूचना देना व इसके पश्चात अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्य करना।
- वन्यप्राणी चिकित्सक द्वारा दिए गए फूड चार्ट के अनुसार सर्पो को 12 से 15 दिन में भोजन करना । सर्प केन्द्र की क्षमता से अधिक सर्प होने पर उनके स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत वरिष्ठ के निर्देशानुसार सर्पो को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ाना ।
- वन विहार में आए पर्यटकों को सर्प व्याख्यान केंद्र के बारे में जानकारी देना।

जू-कीपर : नाम – श्री मनोज कुमार विश्वकर्ता, पद - श्रमिक

श्री मनोज कुमार विश्वकर्मा, श्रमिक, वन विहार में वर्ष-2014 से कार्यरत हैं। इनकी योग्यता 9वीं उत्तीर्ण है। वर्तमान में इनकी ड्युटी स्नेक पार्क में है। इन्होने 18 व 19 दिसम्बर 2018 को वन विहार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सर्प रेस्क्यू प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्य का विवरण -

- सर्पो की साफ-सफाई, देख-रेख, भोजन देने में मदद करना एवं प्राकृतिक निवास में छोड़ते समय मदद करना।
- बाड़े के अंदर, वाटरहॉल, आदि की साफ-सफाई एवं सर्प उद्यान परिसर की साफ-सफाई करना।
- वन विहार में सर्प रेस्क्यू की सूचना प्राप्त होने पर इन्हें सर्प रेस्क्यू के लिए भी भेजा जाता है। इन्हें सर्प रेस्क्यू करने का बहुत अच्छा हुनर है। इसी हुनर के माध्यम से इन्हें भारतीय वन प्रबंध संस्थान, रजिस्ट्रार, फर्म्स एण्ड सोसायटीज, मध्य प्रदेश, जन सम्पर्क एवं राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी जैसे विभागों में सर्प रेस्क्यू के लिए भेजा गया जहाँ से इन्हें विभाग द्वारा सर्प रेस्क्यू के लिए प्रमाण पत्र भी प्राप्त हुए हैं।
- पेड़ों बाँसों की छटाई करना।
- वन विहार में आए हुए पर्यटकों को सर्प के बारे में भी जानकारी प्रदान करते हैं।